Subject – Sociology
Topic – Institution
Study material for – MDC SEMESTER-I

संस्था की अवधारणा
Concept of Institution

संस्था से तात्पर्य प्रक्रियाओं के स्थापित रूप से है। अन्य शब्दों में संस्था से तात्पर्य, समाज के सदस्यों के सामान्य हितों की प्राप्ति हेतु निर्मित समितियों (जैसे - परिवार, चर्च, राज्य, आर्थिक संगठन आदि) में कार्यों के निष्पादन व सदस्यों के पारस्परिक संबंधों के विनियमन हेतु विकसित नियमों व प्रक्रियाओं से है। यह भी ध्यान रखने योग्य है कि, संविधान, विधिक कोड, शेयर-पूंजी आदि जैसी औपचारिक रूप से विकसित संस्थाओं की तुलना में; विवाह, धार्मिक अनुष्ठान आदि जैसी संस्थाएं अपने विकास क्रम में, विचारपूर्वक स्थापना की प्रक्रिया से नहीं गुजरी हैं अर्थात् ये अचेतन रूप से विकसित संस्थाएं हैं। समनर द्वारा इन्हें क्रमशः 'क्रियान्वित' (enacted) एवं 'विकासशील' (exescive) संस्थाएं कहा गया है।

कुछ प्रमुख संस्थाओं को निम्नांकित रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है -

समिति	संबंधित संस्थाएं	संबंधित विशिष्ट हित
(a) परिवार	विवाह, उत्तराधिकार आदि	कामेच्छा, मातृत्व व पितृत्व संतुष्टि आदि।
(b) कॉलेज	व्याख्यान, परीक्षा-व्यवस्था आदि	अधिगम, व्यावसायिक तत्परता का विकास आदि।
(c) व्यापार	बहीखाता व्यवस्था, शेयर-पूंजी आदि	लाभार्जन
(d) व्यापार-संघ	सामूहिक सौदेबाजी, हड़ताल आदि।	रोजगार सुरक्षा, मजदूरी दर का निर्धारण आदि।
(e) ~~चर्च~~ -चर्च	पंथ, धार्मिक अनुष्ठान आदि	धार्मिक आस्था की संतुष्टि
(f) राज्य	संविधान, विधिक कोड, सरकार के रूप	सामाजिक व्यवस्था का विनियमन